विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – अष्टम   दिनांक -18 - 12- 2021

विषय -हिन्दी   विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज अघोष-सघोष एवं अल्पप्राण महाप्राण के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

अघोष - सघोष

कम्पन के आधार पर हिंदी वर्णमाला के भेद

कम्पन के आधार पर हिंदी वर्णमाला के दो भेद होते हैं।

1. **अघोष व्यंजन**
2. **सघोष व्यंजन**

अघोष व्यंजन: इनकी संख्या 13 होती है।

क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, श, ष, स

सघोष व्यंजन: इनकी संख्या 31 होती है। इसमें सभी स्वर अ से ओ तक और व्यंजन -

- **ग, घ, ङ**
- **ज, झ, ञ**
- **ड, ढ, ण**
- **द, ध, न**
- **ब, भ, म**
- **य, र, ल, व, ह**

अल्पप्राण - महाप्राण

अल्पप्राण व्यंजन एवं महाप्राण व्यंजन

उच्चारण के अनुसार व्यंजनों को दो भागों में बांटा गया हैं।

1. **अल्पप्राण व्यंजन**
2. **महाप्राण व्यंजन**

अल्पप्राण व्यंजन: ऐसे व्यंजन जिनको बोलने में कम समय लगता है और बोलते समय मुख से कम वायु निकलती है उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 20 होती है।

- **क ग ङ**
- **च ज ञ**
- **ट ड ण ड़**
- **त द न**
- **प ब म**
- **य र ल व**

महाप्राण व्यंजन: ऐसे व्यंजन जिनको बोलने में अधिक प्रत्यन करना पड़ता है और बोलते समय मुख से अधिक वायु निकलती है। उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 15 होती है।

- **ख घ**
- **छ झ**
- **ठ ढ**
- **थ ध**
- **फ भ**
- **ढ़**
- **श ष स ह**